वर्ष 1 - अंक 32
शनिवार 27 दिसम्बर 2024- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

मेघदूत चौपाटी फिर जमी

मेघदूत चौपाटी से पिछले दिनों हटाए गए गुमटीधारक अब फिर जम गए, जिन्हे हटाने के लिए निगम का रिमूवल अमला पहुंचा तो लोग गुमटी लेकर भागे। कल कर्मचारियों की पिटाई के बाद भी रिमूवल का बड़ा अधिकारी आज मौके पर नही दिखा न ही पुलिस दिखी।

निगम की टीम पर हमला करने वालों पर सख्त कार्रवाई जरूरी-चौकसे

इंदौर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने आज इंदौर नगर निगम की टीम पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

इंदौर। उन्होंने कहा कि यह अफसोस जनक है कि हमला होने के 12 घंटे बाद तक इस मामले में आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं हो सका। पुलिस थाने से निगम की गाड़ी में से गाय को छुड़ाकर ले जाना अपराधिक कृत्य है। चौकसे ने कहा कि इस पूरे मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव की भूमिका पर सवालिया निशान लगता है। यह घटना होने के बाद महापौर की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया आना चाहिए थी और उन्हें खुद मौके पर पहुंचकर निगम की टीम का हौसला बढ़ाना चाहिए था। नगर निगम में भाजपा की परिषद और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद इसी विचारधारा के संगठन के कार्यकर्ताओं के द्वारा हमला किया जाना अफसोस जनक है। इस मामले में अब तक कार्रवाई न होना यह दर्शाता है कि पूरा मामला राजनीतिक रंग ले चुका है। चौकसे ने कहा कि इस घटना के आरोपियों पर ऐसी कार्रवाई की जाना चाहिए जो की मिसाल बनें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो नगर निगम के अधिकारियों कर्मचारियों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा।

मनमोहन सिंह जी
भारत के शांत क्रांतिकारी

"भारत की आर्थिक क्रांति के शिल्पकार मनमोहन सिंह जी को अंतिम प्रणाम"

संपादकीय लेख - गोपाल गावंडे

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का आज निधन हो गया। यह केवल एक नेता का अवसान नहीं है, बल्कि उस युग का अंत है जिसने भारत को आर्थिक स्थिरता, वैश्विक पहचान, और विकास के पथ पर अग्रसर किया। सादगी और विद्वता के प्रतीक, मनमोहन सिंह जी ने भारतीय राजनीति में अपनी छवि को एक निष्पक्ष, ईमानदार, और विचारशील नेता के रूप में स्थापित किया।

जीवन परिचय

डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पंजाब के गाह (अब पाकिस्तान में) नामक गांव में हुआ। एक साधारण परिवार में जन्मे मनमोहन सिंह ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। अर्थशास्त्र में उनकी विशेषज्ञता और नीतिगत समझ ने उन्हें विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, और भारत सरकार के उच्च पदों तक पहुंचाया।

भारत को दिया एक नया आयाम

डॉ. सिंह को 1991 में वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया, जब भारत गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उनके नेतृत्व में लागू किए गए आर्थिक सुधार (उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण) ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दी। इन नीतियों ने न केवल देश को आर्थिक संकट से उबारा, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक नई पहचान भी दी।

उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियां

1. 1991 के आर्थिक सुधारः डॉ. सिंह के प्रयासों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बंद अर्थव्यवस्था से एक खुली और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था में परिवर्तित किया।

2. परमाणु समझौताः 2008 में अमेरिका के साथ हुए ऐतिहासिक परमाणु समझौते ने भारत को उर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

3. मनरेगा योजनाः ग्रामीण भारत में रोजगार और स्थायित्व लाने के लिए मनरेगा जैसी योजनाएं उनके नेतृत्व में लागू की गईं।

4. विदेशी निवेशः उनके प्रयासों से भारत में विदेशी निवेश में भारी वृद्धि हुई, जिससे लाखों रोजगार के अवसर पैदा हुए।

व्यक्तित्व और दृष्टिकोण

डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी सादगी और ईमानदारी के लिए जाना जाता था। उनके शांत स्वभाव और गहन ज्ञान ने राजनीति में मर्यादा और आदर्श स्थापित किए। उन्होंने हमेशा कहा, "भारत एक संभावनाओं से भरा देश है। अगर सही नीतियां और ईमानदारी से काम किया जाए तो इसे दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता।"

डॉ. मनमोहन सिंह जी का योगदान

आर्थिक सशक्तिकरण

उन्होंने भारत को वैश्विक बाजार के लिए तैयार किया।

सामाजिक समरसता

उन्होंने राजनीति को विकास और समाज कल्याण के साथ जोड़ा।

वैश्विक पहचानः उनके कार्यकाल में भारत की पहचान एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में हुई।

आज का युग और उनकी विरासत

उनका जाना केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। उनकी नीतियां और सोच भारत की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में हमेशा जीवित रहेंगी।

सिंहासा ग्राम पंचायत में उपसरपंच का चुनाव

इंदौर के समीप ग्राम पंचायत सिंहासा में उपसरपंच के चुनाव होने वाले हे जिसमें पंचों द्वारा उपसरपंच को चुना जाएगा।

अजय(अज्जू) यादव

अर्जुन भीम सिंह राठौड़

जहां एक और उपसरपंच ऋषि राठौर की मृत्यु के बाद ग्राम सिंहासा में उपसरपंच का पद खाली था जिसको लेकर ग्राम पंचायत में उपसरपंच के लिए पंचों द्वारा मतदान किया जाएगा। वही उपसरपंच पद के लिए दो दावेदारों ने अपना नाम दाखिल किया हे जिसमें अर्जुन भीम सिंह राठौड़ एवं अजय (अज्जू) यादव हे दोनों दावेदार अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में हे अब देखने वाली बात हे कि कौन ग्राम पंचायत सिंहासा की उपसरपंच की कुर्सी पर बैठता है।

भाजपा कार्यालय पर वीर बाल दिवस के अवसर पर शबद कीर्तन, प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का किया गया आयोजन

इंदौर।जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर वीर बाल दिवस के अवसर पर शबद कीर्तन, प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया सर्वप्रथम नगर अध्यक्ष श्री गौरव रणदिवे श्री गुरु सिंह सभा के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत सिंह टुटेजा सहित सिख समाज जन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर साहबजादों के शौर्य को समर्पित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया उसके पश्चात पार्टी कार्यालय पर शबद कीर्तन एवं अरदास की गई।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्री गौरव रणदिवे ने कहा कि साहबजादों के बलिदान की गाथा को सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं एक साहबजादे की उम्र 6 वर्ष से कम और एक की 8 वर्ष आयु में मुगलों द्वारा दी गई यातनाएं सहना और अपने प्राण न्योछावर करना स्वीकार किया लेकिन धर्म परिवर्तन करना अस्वीकार करते हुए कहा कि हमारे गुरुओं ने धर्म परिवर्तन करना नहीं सिखाया यह एक आयोजन नहीं है यह एक ऐसी गाथा है जिसे हम सभी को अपने परिवारजन और खास कर बैठे बेटियों आने वाली पीढ़ियों को अवश्य बताना चाहिए की कौन थे वह साहबजादे जिनकी कुर्बानीयों के कारण आज हम जय श्री राम और वाहेगुरु जी का जयकारा लगा पा रहे हैं इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री सुरजीत सिंह टुटेजा ने कहा कि आज हम चारों साहबजादों की शहादत को नमन करने के लिए एकत्रित हुए हैं पहले इतिहास के साथ खिलवाड़ किया गया और गुरुओं के बलिदान और इतिहास को सही ढंग से देश के लोगों को नहीं बताया गया माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी द्वारा पिछले दो वर्षों से वीर बाल दिवस के माध्यम से साहबजादों के बलिदान को बड़े स्तर पर देश में मनाना प्रारंभ किया है वीर साहबजादों की गाथा को सुनाते हुए श्री टूटेजा ने कहा कि हमें इसे गाथा का अनुभव करना है उस दुख उस पीड़ा एवं बर्बरता व अत्याचार का जख्म हमें गहरा रखना है कि भविष्य में अगर कोई आक्रांता ऐसी हिमाकत करें तो सूर्य की तरह यह जख्म निकलकर अंधकार का खात्मा कर दे।

भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष श्री गौरव रणदिवे, वरिष्ठ नेता श्री कृष्णमुरारी मोघे, एमआईसी सदस्य श्री निरंजन सिंह गुड्डू, कार्यक्रम संयोजक श्री मनदीप बाजवा, श्री ऋषि सिंह खनूजा,सिख समाज अध्यक्ष श्री हरपाल सिंह मोनू भाटिया, श्री सुरजीत सिंह टुटेजा,सीटू छाबड़ा,त्रिलोक सिंह भाटिया,लकी छाबड़ा,गोल्डी भाटिया बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंदौर श्री तिरुपति बालाजी का विशाल भंडारे का आयोजन

विवेक सिंह

इंदौर में श्री तिरुपति बालाजी सीपीजे प्रसंग ट्रस्ट द्वारा भजन संध्या विशाल भंडारे का आयोजन 1 जनवरी 2025 को

इंदौर के साइन बाबा मंदिर हवा बंगला में रोड पर होने जा रहा है आयोजन करता कृष्ण दमदार जी ने बताया कि हम लगातार 8 वर्षों से श्री तिरुपति बालाजी का भंडारा करते आ रहे हैं इस वर्ष भंडारे का नौवां वर्ष है श्री तिरुपति बालाजी की कृपा से हम इस वर्ष भंडारे को एक अत्यधिक भंडारा बनाना चाहते हैं उन्होंने कहा कि हम अपने आए हुए सभी भक्तों को केले के पत्ते पर भोजन करते हैं जिससे यह एक आधुनिक भंडारा बन जाता है लोगों ने सिर्फ महाभारत रामायण में देखा होगा केले के पत्ते पर भोजन करते हुए लेकिन यह सब संभव हो पाया है बालाजी की कृपा से बालाजी के प्रसाद के साथ ही हमने भजन संध्या का भी आयोजन रखा है हमारे इंदौर के सभी भक्तगण ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारे बालाजी के प्रसाद को ग्रहण करें वह भजन संध्या का लाभ उठाएं इस मौके पर आयोजन करता कृष्णा जामदार दीपक पटेल निवेदक रोहित यादव विजय चौहान राजेंद्र गोयल सभी का सेवक वीरू जामदार उपस्थित रहे।

पिछोर विधायक ने 24 कुंडीय यज्ञ का किया भूमि पूजन

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) गायत्री मंदिर पिछोर में 10 जनवरी 2025 से 24 कुंडिय गायत्री शक्ति संवर्धन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसकी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है इस कार्यक्रम को लेकर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा 25 दिसंबर बुधवार को दोपहर 12 बजे गायत्री मंदिर पहुंचकर हरिद्वार शक्ति पीठ द्वारा चलाये जा रहे मिशन गायत्री परिवार पिछोर में यज्ञशाला का भूमि पूजन ध्वज स्थापन किया गया! गायत्री शक्तिपीठ की संयोजिका श्रीमती राजकुमारी लोधी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि 10 जनवरी को महिलाओं द्वारा कलश यात्रा मुख्य मार्गो से होकर

यज्ञ स्थल तक पहुंचेगी! जिसमें सैकड़ो की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहेंगी! 24 कुंडीय यज्ञ 10 जनवरी से 13 जनवरी तक चलेगा इसके साथ ही 13 जनवरी को पूर्णाहुति तथा प्रसाद वितरण किया जाएगा, कार्यक्रम में अधिक से अधिक भक्त लोगों को उपस्थित रहने के लिए आग्रह किया गया!

शा. सी. एम.राइज मॉडल स्कूल खनियांधाना में जनकल्याण पर्व अंतर्गत करियर पर्व का आयोजन किया गया

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

शिवपुरी (खनियाधाना)शासकीय मॉडल विद्यालय खनियाधाना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एस. डी. एम . पिछोर शिवदयाल धाकड़ सर,विशिष्ट अतिथि के रूप में खनियांधाना महाविद्यालय के प्राचार्य कमल किशोर यादव जी, खनियांधाना बी. आर. सी. संजय भदौरिया जी, महाविद्यालय में पदस्थ क्रीड़ा प्रभारी सेंगर सर, गणेश सोनी न्यूज़ रिपोर्टर ind 24,उपस्थित रहे, और छात्रों का मार्गदर्शन किया।स्कूल में पदस्थ करियर कॉउंसलर एन्ड साइकोलॉजिस्ट मोहन सोनी ने कक्षा 9th,10th, 11th,और 12th के छात्रों को को बताया कि कॉउंसलिंग से व्यक्ति का आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ता है। करियर कॉउंसलिंग खुद को जानने और समझने, शिक्षा और करियर के बारे में सूचित करने तथा निर्णय लेने अपने लक्ष को प्राप्त करने की रणनीति विकसित करने की एक प्रक्रिया है।

सोनी सर ने बताया कि करियर सयोंग से नहीं विकल्प से होना चाहिए। जिस कार्य में आपकी रूचि हो, आपको पसंद हो, और उसे करने में आप प्रसन्नता महसूस करें, उसी कार्य को आप अपने करियर के रूप में चुनें।करियर परामर्श आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करता है, आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है। वास्तविक जीवन के उदाहरणो का उपयोग कर आगे बढतें रहें। कमल किशोर यादव जी मोरल पावर पर छात्रों को विशेष इंडेक कर कहा कि आप अपने जीवन में मोरल पावर से ऊचाईयां पा सकते है। सेंगर सर और रोहित पाठक व्यवसायिक प्रशिक्षक (skilltree Private Limited) जी ने छात्रों को खेल के क्षेत्र में कैसे करियर बनाएँ इसके टिप्स दिए, श्री मान sdm साहब शिवकुमार धाकड़ सर ने छात्रों को एम.पी. पी.एससी..और यू. पी. एस.सी.के सम्बन्ध में जानकारी दी साथ ही छात्रों को योग और ध्यान के विषय से भी परीचित कराया, छात्रों ने श्री मान एस डी एम साहब से छात्रों ने प्रश्न भी किए और अपनी शंका के समाधान पाए।अंत में प्राचार्य टेकचंद जैन ने कहा कि छात्र स्वयं की प्रोफाइल समझे, अपनी कमजोरीयों की चर्चा करने से ना डरें। सदैव उद्देश्य पूर्ण रहें और ज्ञान की तलाश करते रहें। टेकचंद जैन प्राचार्य ने अंत में सबका आभार व्यक्त किया।छात्रों ने करियर पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया, और अपने करियर से सम्बंधित प्रश्न भी किए। इसमें छात्रों ने एम. पी. एस्पायर पोर्टल, आई सी एस जी पी एस ऐप तथा यू रिपोर्ट इंडिया के बिषय में भी जाना। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध 501 करियर कार्ड भी छात्रों को दिखाए गए।कार्यक्रम में स्कूल स्टॉफ में मती शानू पटैरिया, मती प्रीती शर्मा, कृपान सिंह कुशवाह, दीपक शिवहरे, नरेंद्र रावत, मुकेश परिहार, मोहन सोनी,अमोल सिंह परिहार, अशोक जाटव, मुकेश प्रजापति, आदि उपस्थित रहे।

आर एस एजुकेशन सेंटर इंटर कॉलेज के द्वारा स्मृति 2024 आयोजित

आर एस एजुकेशन सेंटर इंटर कॉलेज बर्रा के द्वारा स्मृति 2024 का आयोजन लाजपत भवन में धूमधाम से आयोजित हुआ। शुभारंभ सत्यदेव पचौरी पूर्व सांसद एवं रमेश अवस्थी सांसद तथा प्रो एस के अवस्थी उपकुलपति विवि कानपुर एवं कौशल किशोर दीक्षित पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। आए हुए अतिथियों ने मां सरस्वती एवं विद्यालय के प्रणेता स्व राधेश्याम मिश्रा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। आए हुए अतिथियों का चेयरमैन वीके मिश्रा ने स्वागत किया। छात्र-छात्राओं के द्वारा रामायण की प्रस्तुति करके धर्म एवं अनुशासन में चलने एवं मर्यादा में रहकर जीवन जीने की प्रेरणा दी गई। छात्र छात्राओं ने गुजराती एवं पंजाबी कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर सभागार में चार चांद लगा दिए। मेधावी छात्र छात्राओं 2024 में 90% से अधिक नंबर पाने वाले हाई स्कूल एवम इंटर मिडिएट के छात्र छात्राओं को सम्मान एवं प्रथम तीन मेधावी छात्र छात्राओं को नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। निदेशक अनिकेत मिश्रा एवं प्राची मिश्रा ने आज के बदलते परिवेश एवं शिक्षा की गुणवत्ता अनुशासन और समय के सदुप्रयोग के बारे में बताया तथा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की जड़ कड़वी है परंतु उसके फल मीठे हैं जितना कठिन संघर्ष होगा जीत भी उतनी ही शानदार होगी। छात्राओं के द्वारा रानी पदमावती के जौहर के प्रदर्शन को सभी ने सराहा। इस मौके प्रमुख रूप से रोली त्रिपाठी जुली सिंह प्रतिभा कुशवाहा रचना दीक्षित तेजस्वी पाण्डेय मनमिंदर सिंह राजेश द्विवेदी सुरजन लाल कुंवर बहादुर मिश्रा गौरव शर्मा राजीव दत्ता आरती तिवारी कुलदीप साक्षी सहित काफी संख्या में विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर के दौरान विधायक प्रीतम सिंह लोधी नें हितग्राहियों को दिए हितलाभ

आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गांव गाँव जाकर सुनी लोगों की समस्याएं

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी)मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत पिछोर क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी के द्वारा 26 दिसंबर गुरुवार को खनियाधाना जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत खिरकिट, बसाहर,बामोर खुर्द, तथा क्यारा में मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया! जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रीतम सिंह के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना कर गांव की कन्याओं के पैरों का पूजन किया गया! इसके पश्चात विधायक द्वारा सभी पात्र हितग्राही को शासन से मिलने वाली योजनाओं का मौके पर लाभ दिया गया जिसमें आयुष्मान कार्ड, खाद्यान्न पात्रता पर्ची, लाड़ली लक्ष्मीयोजना , निशुल्क साइकिल वितरण, जनमन आवास योजना, आदि कई तरह के हितलाभ लोगों के बीच वितरण किए गए योजनाओं के लाभ के संबंध में बताते हुए विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा कहा गया कि हमारी मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा इस तरह की कई अन्य योजनाएं चलाई जा रही है जिससे गरीब से गरीब लोगों को इसका लाभ मिल सके आज मैं इस पिछोर की जनता की सेवा करने के लिए दिन रात मेहनत कर रहा हूं मैं एक दिन भी छुट्टी नहीं मनाता हूँ तथा सप्ताह में दो-तीन दिन जनसुनवाई भी करता हूं आप लोगों के लिए कभी भी निराश नहीं होने दूंगा, आज आपका विधायक आपके गांव-गांव पहुंचकर आपकी समस्या सुन रहा हैं !मैंने जो वादा किया है बो आप लोगों के बीच रहकर हमेशा निभाऊंगा !इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य सियाराम लोधी, विधायक प्रतिनिधि हरबान सिंह लोधी, करण सिंह लोधी,राजेश केवट, ईदल सिंह, खनियाधाना मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोगराज मीणा, तहसीलदार रामनरेश आर्य सहित विभागीय अधिकारी,कर्मचारी सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे !

नया साल मनाने जा रहे बेटे बेटियों को सावधान करें

गतवर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट नहीं पाये थे

घायल, बलात्कार और गिरफ्तारियों के आकड़े अलग

केवल भारत ही नहीं पूरी दुनियाँ नया साल मनाने की तैयारी हो रही है । नदियों झील, समन्दर और पहाड़ों के पर्यटन स्थल और महानगरों में बार, होटल रेस्टोरेंट बुक हो चुके हैं । लेकिन एक बात समझ लें। गत वर्ष सौ से अधिक युवा घर लौट ही नहीं सके थे । वे या तो या तो नशे में गाड़ी चलाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुये अथवा नशे में हुये झगड़ों का शिकार बने थे। घायलों की संख्या भी सैकड़ों में रहीं। गत वर्ष केवल उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों पर छै मौतें, पचहत्तर घायल हुये थे । आपसी झगड़ों में पुलिस ने आधीरात को 55 युवा बंदी बनाये थे । वर्ष 2024 के समापन के पल समीप आ गये । भारत में यह वर्ष अनेक उपलब्धियों की सौगात देकर विदा हो रहा है । पूरी दुनियाँ के साथ भारत में भी नववर्ष के स्वागत की तैयारी के समाचार मीडिया में आने लगे। यह तैयारी पर्यटन स्थलों, होटल, बार, रेस्टोरेंट आदि में अधिक है । अंग्रेज क्रिसमस की इन छुट्टियों में मंसूरी नैनीताल आदि पहाड़ों पर जाया करते थे । अंग्रेज भले चले गये छुट्टियों में पहाड़ों पर जाने की परंपरा छोड़ गये । हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी पहाड़ों के अधिकांश होटल बुक हो चुके हैं । पिछले वर्ष तो रास्ते में पाँच-पाँच किलोमीटर के जाम लगा था । इसके अतिरिक्त वर्ष हजारों लाखों लोगों द्वारा अपने नगर के होटलों में पार्टी देने की ही नहीं, कमरों की बुकिंग भी हो गई है । समय की तेज गति से अब यह प्रश्न पीछे छूट गया कि भारतीय परंपरा में नया साल कब आता है और कैसे मनाया जाता है। भारतीय शासन व्यवस्था और समाज जीवन एक जनवरी को नया साल मनाने की परंपरा में ढल गया है । दैनिक जीवन के कार्य ही नहीं अब तो जन्म पत्रिकाएँ भी अंग्रेजी वर्ष के दिनांक से बनती हैं। कुण्डली दिखाने के लिये भी अंग्रेजी दिनांक ही दी जाती है । यह आधुनिक नया साल प्रातःकालीन सूर्योदय से आरंभ नहीं होता । यह आधी रात से होता है । नये साल का उत्सव भी आधी रात को मनाया जाता है । आधी रात के इस उत्सव की दो विशेषताएँ होतीं हैं। एक यह उत्सव बिना शराब पार्टी के पूरा नहीं होता और दूसरा अधिकांश आयोजनों में स्त्री पुरुष साथ होते हैं । हालाँकि कुछ पार्टियों में परिवार और पारिवारिक मित्रों के साथ होती हैं । लेकिन अनेक पार्टियों में भाग लेने वाले जोड़े, पति पत्नि नहीं, "मित्र" होते हैं। इनमें अधिकांश वे युवा होते हैं जो पढ़ाई या जॉब के लिये घरों से बहुत दूर रहते हैं। पिछले साल नववर्ष की रात जो घटनाएँ घटीं थीं उनमें अधिकांश इसी प्रकार के समूहों के बीच घटीं थीं। जो हत्या, प्राण घातक मारपीट, बलात्कार, बलात्कार का प्रयास और बेहद घटिया छेड़छाड़ से भरीं थीं। वर्ष 2022 और 2023 के बीच एवं वर्ष 2023 और 2024 के बीच मनाये गये नववर्ष उत्सव की मध्य में रात्रि 10 बजे से 2-30 बजे के बीच केवल साढ़े चार घंटे में देश की राजधानी दिल्ली में कुल बत्तीस बड़े अपराध घटे थे । जिसमें उन्नीस बहुत गंभीर थे। इनमें चार मर्डर और बारह बलात्कार एवं बलात्कार का प्रयास थे । यदि इसमें दून, मुम्बई, बंगलूर, हैदराबाद, चैन्नई आदि 17 महानगरों के आँकड़े जोड़ें तो बड़े अपराधों की यह संख्या सौ से अधिक होती है । गत वर्ष केवल उत्तराखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर झगड़े और दुर्घटनाओं में छै मौतें हुईं थीं। इनमें दून में चार, लालकुआँ भीमताल में एक और हल्द्वानी में एक मौत हुई थी । शराब के नशे में आधीरात को जो झगड़े हुये उनमें कुल 55 लोग बंदी बनाये गये थे। इनमें अकेले दून में तीस लोग बंदी बनाये गये थे । इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ के जशपुर में एक कार पेड़ से टकराई चार मौतें, झारखंड में छै, हापुड़ में दो, जमशेदपुर में छै मौतें हुईं थी । नेशनल सिक्युरिटी काउन्सिल द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार देशभर नववर्ष की रात को कुछ 104 मौतें हुईं थीं। गतवर्ष अर्थात 2023 की 30 एवं 31 दिसम्बर तथा वर्ष 2024 की एक जनवरी के इन तीन दिनों में कुल 308 मौतें हुईं थीं। दो वर्ष पहले दिल्ली में एक बेटी को लगभग चौदह किलोमीटर घसीटा गया था । यह घटना सुल्तानपुरी इलाके में घटी थी । वह 20 अंजलि थी ।उसकी हड्डियां घिस चुकी थीं । शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था । यह घटना मीडिया की सुर्खियाँ में आई थी इसलिए दो साल बाद अब भी सबके ध्यान में है लेकिन बाकी सब घटनाएँ एक दिन से आगे न बढ़ सकीं थीं। गत वर्ष नशे की पार्टियों से अलग कुछ टोलियाँ ऐसी भी थीं जो नया साल मनाने किसी होटल में नहीं धार्मिक स्थलों पर गये थे । नववर्ष पर ऐसी ही एक वैष्णों देवी से लौटते समय घटी । तेज रफ्तार गाड़ी खाई में गिरी और बारह लोग मारे गये । इन दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले कितने ही युवा अपने माता पिता की इकलौती संतान थे । और वे बेटियाँ जो उत्साह से नववर्ष मनाने गईं लेकिन बलात्कार या बलात्कार के प्रयास का शिकार हुईं । उनकी मनोदशा की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वे पीड़ित प्रताड़ित युवा और उनके परिवार ये दर्द जीवन भर नहीं भूलेंगे। अपराध के ये आकड़े पहले नहीं हैं। हर साल ऐसी घटनाएँ घटतीं है । नववर्ष मनाने के पिछले दस वर्षों में ऐसी घटनाओं के आँकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। ये आँकड़े वे हैं जो पुलिस तक पहुंचे। छेड़छाड़ आदि की कितनी घटनाएँ ऐसी होंगी जो पुलिस तक नहीं पहुँच सकीं। इसका कारण यह है कि नववर्ष की पार्टी केलिये उत्साह का अतिरेक और नशा विवेक को शून्य कर देता है । जिससे वह न तो अपने भविष्य का आकलन कर पाता है और न पिछली घटनाओं से कोई सबक ही लेता है । इस वर्ष भी यही हो रहा है। नववर्ष उत्सव मनाने की तैयारी के जो समाचार आ रहे हैं वे पिछले वर्ष से बहुत अलग नहीं है । इसे हम महानगरों के होटल बार और रेस्टोरेंट की बुकिंग से समझ सकते हैं। पर्यटन स्थलों पर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ गया है । यह ठीक है कि दुर्घटनाएँ सभी के साथ नहीं घटतीं। अधिकांश लोग हँसी खुशी से ही लौट आयेंगे। और नववर्ष उत्सव के आनंद को मित्रों से साँझा करेंगे। पिछले सालों में भी ऐसा हुआ है । लेकिन सभी ऐसी सौभाग्यशाली नहीं होते। लेकिन जिन बेटे बेटियों का जीवन और मान संकट में पड़ता है उनकी क्षति की भरपाई कभी नहीं होती । इसलिए सावधानी और समझ दोनों आवश्यक हैं। किन मित्रों के साथ नया साल मनाना यह विचार आवश्यक है । जो युवक युवतियाँ अपने मित्रों के साथ नया साल मनाने जा रहे हैं तो सावधानी बरते । सावधानी हटी दुर्घटना घटी....!